

प्रभारी मंत्री ने त्रिदिवसीय राज्य स्तरीय दिव्यांग कौशल प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

इंद्रेश कुमार पांडे

उत्तर प्रदेश: मंत्री ने प्रदर्शनी में प्रत्येक स्टॉल पर जाकर दिव्यांगजनों द्वारा बनाये गये उत्पादों के बारे में जानकारी ली तथा उनके प्रयासों की सराहना की। मंत्री ने दिव्यांगजनों को 05 मोटरसाईड साईकिल, 20 ट्राई साईकिल, 10 एमआर किट, 02 ब्रेल किट, 1 स्मार्ट केन प्रदान किया। प्रभारी मंत्री ने आठवें राष्ट्रीय पोषण माह^१का किया शुभारम्भ, जनजागरूकता हेतु निकाली गयी रैली को दिखायी हरी झण्डी। मंत्री ने 03 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई व 02 बच्चों का कराया अन्नप्राशन। दिव्यांगजनों की सहायता, उनकी प्रगति एवं उनके विकास के लिए सरकार के प्रतिबद्ध- प्रभारी मंत्री। दिव्यांग बच्चों को शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान करने वाले शिक्षकों के कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए, शिक्षकों के कार्यों को बताया प्रशंसनीय। प्रयागराज, प्रभारी मंत्री, जनपद प्रयागराज/मंत्री, जल शक्ति विभाग (सिंचाई एवं जल संसाधन, बाढ़ नियंत्रण, परती भूमि विकास, लघु सिंचाई, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग), उ3090 स्वतंत्र



देव सिंह बुधवार को उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा राज्य निधि के अंतर्गत एवं कामता प्रसाद सेवार्थ ट्रस्ट के सहयोग से दिव्यांगजनों में अन्तर्निहित सुजनात्मक क्षमता को सार्वजनिक क्षेत्र में उजागर करने तथा उनकी पहुँच जनसामान्य तक सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दिव्यांगों द्वारा निर्मित उत्पादों एवं कलाकृतियों के प्रदर्शन हेतु 17 से 19 सितम्बर, 2025 तक लगायी गयी त्रिदिवसीय दिव्यांग कौशल

प्रदर्शनी^२का दिव्य शक्ति प्रदर्शन (सांस्कृतिक कार्यक्रम) एवं अन्य विभागों द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी के उद्घाटन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए और फीता काटकर प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया। मंत्री ने अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने अपना पूरा जीवन राष्ट्र को समर्पित किया है। उन्होंने संच के प्रचारक से लेकर मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के पद पर रहते हुए उनके सामने जो भी चुनौतिया आयीं हैं, उन

चुनौतियों का दृढ़ता के साथ सामना किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह लक्ष्य रहा है कि पंक्ति के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मान-सम्मान मिले और उनको अंतिम पंक्ति से निकाल कर आगे की पंक्ति पर लाया जाये। प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री विभिन्न लाभकारी योजनाओं के माध्यम से दिव्यांगजनों व दिव्यांग बच्चों को निरंतर आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री हर समय गरीबों की सेवा एवं गरीबों की उन्नति के बारे में सोचते रहते हैं, यह बड़ी बात है। मंत्री ने दिव्यांग बच्चों की ललित एवं मनोरम प्रस्तुती देखकर भावविभोर हो गये और दिव्यांग बच्चों को शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान करने वाले शिक्षकों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आज लोग अपने अभिभावकों के साथ नहीं बैठ पाते हैं, ऐसे में यह शिक्षक जो बच्चे सुन, देख नहीं सकते हैं, ऐसे बच्चों को कैसे संभालते व शिक्षा प्रदान करते होंगे, यह प्रशंसनीय कार्य है। उन्होंने ऐसे शिक्षकों को महान बताते हुए उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि

दिव्यांगजनों की सेवा करने का अवसर सभी को नहीं मिलता है, इसलिए हमें जो अवसर मिला है, उसका हमें पूरी ईमानदारी, निष्ठा व लगन के साथ निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री निरंतर कड़ी मेहनत से देश को विकास के मार्ग पर आगे ले जा रहे हैं। इतने मनोयोग एवं दृढ़ संकल्प से कार्य करने की ऊर्जा, शक्ति तब ही आती है, जब व्यक्ति पूरी ईमानदारी, हृदय की गहराई, आत्मसमर्पण, निःस्वार्थ भावना के साथ कार्य करता है। मंत्री ने इसके पूर्व एनसीजेडसीसी परिसर में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग एवं अन्य विभागों द्वारा लगायी गयी दिव्यांग कौशल प्रदर्शनी के प्रत्येक स्टॉल पर जाकर दिव्यांगजनों द्वारा बनाये गये उत्पादों के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए दिव्यांग बच्चों के द्वारा बनाये गये उत्पादों, सामानों व उनके कौशल की सराहना की तथा इसे और बेहतर करने हेतु प्रोत्साहित किया। मंत्री ने उत्पादों की खरीददारी भी की। मंत्री के समक्ष विशेष बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर मंत्री ने

दिव्यांगजनों को 05 मोटरसाईड साईकिल 20 ट्राई साईकिल, 10 एमआर किट, 02 ब्रेल किट, 1 स्मार्ट केन प्रदान किया तथा विभिन्न क्षेत्रों में अच्छे प्रदर्शन करने वाले दिव्यांगजनों को प्रमाण-पत्र देकर पुरस्कृत करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। दिव्यांगजनों के द्वारा बनायी कलाकृतियां एवं चित्रकला से सुसज्जित आर्ट गैलरी का भ्रमण कर अवलोकन करते हुए प्रत्येक पेंटिंग को देखा तथा सराहना करते हुए बनाने वाले दिव्यांगों के साथ फोटो खिंचवाई। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री ने बाल विकास एवं पुष्टहार विभाग के 17 सितम्बर से 16 अक्टूबर, 2025 तक चलने वाले छहआठवें राष्ट्रीय पोषण माह^३का शुभारम्भ किया तथा राष्ट्रीय पोषण माह के जनजागरूकता हेतु निकाली गयी रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर मंत्री ने 03 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई व 02 बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया। मंत्री ने इस अवसर पर बाल विकास पुष्टहार विभाग के द्वारा लगाये गये स्टॉल का अवलोकन करते हुए प्रशंसा की।

विधायक फाफामऊ की उपस्थिति में विश्वकर्मा दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का किया गया आयोजन

इंद्रेश कुमार पांडे

उत्तर प्रदेश: विधायक फाफामऊ के द्वारा विभिन्न रोजगार परक योजनाओं के अन्तर्गत ऋण प्राप्त लाभार्थियों को चेक तथा प्रशिक्षण प्राप्त लाभार्थियों को टूलकिट का किया गया वितरण। सरकार की योजनाओं से परिवार हो रहे लाभान्वित, योजनाओं के लाभ से लाभार्थियों के चेहरे पर आ रही मुस्कान। विधायक फाफामऊ गुरु प्रसाद मौर्य की उपस्थिति में बुधवार को संगम सभागार में जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, प्रयागराज के तत्वावधान में विश्वकर्मा दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संजय कुमार पाण्डेय,



अपर जिलाधिकारी नजूल उपस्थित रहे। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि का स्वागत सहायक आयुक्त उद्योग उमेश चन्द्र वर्मा द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर तथा अपर जिलाधिकारी नजूल का स्वागत सारिका सिंह सहायक आयुक्त उद्योग द्वारा किया गया। पंकज मौर्या, सहायक आयुक्त

उद्योग द्वारा विश्वकर्मा दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उसकी परम्परा तथा वर्तमान समय में विश्वकर्मा दिवस की प्रासंगिकता पर विचार व्यक्त किया गया। विकास पाण्डेय, सहायक प्रबन्धक द्वारा उद्योग विभाग की विभिन्न योजनाओं का प्रस्तुतीकरण किया

गया। मुख्य अतिथि के कर कमलों से विभाग की विभिन्न रोजगार परक योजनाओं यथा एमवाईएसववाई, सीएम युवा तथा ओडी ओपी के अन्तर्गत ऋण प्राप्त लाभार्थियों को चेक वितरण तथा प्रशिक्षण प्राप्त लाभार्थियों को टूलकिट वितरण किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा विश्वकर्मा जन्मती एवं चेक तथा टूलकिट प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का बधाई देते हुए सरकार की योजनाओं पर प्रकाश डाला गया। उद्योगों पर प्रकाश मुख्यमंत्री द्वारा प्रारम्भ की गई योजनाओं से परिवार के सभी सदस्य लाभान्वित हो रहे हैं और लाभ प्राप्त कर सभी के चेहरे पर मुस्कान आ गई है।

सूरत की हस्तनिर्मित चनियाचोली का नवरात्रि पर ग्लैमर के साथ क्रेज, कीमत 50-65 हजार

राजपूत रणजीत

गुजरात: हस्तनिर्मित धातु और तुई वर्क वाली चनियाचोली का क्रेज, कीमत 50 हजार से 65 हजार तक। 200 से ज्यादा अनेछे डिजाइन तैयारसुरती चनियाचोली की विदेशों में मांग। हस्तनिर्मित धातु और तुई वर्क से बनी चनियाचोली का क्रेज, कीमत 50 हजार से 65 हजार तक। नवरात्रि के 9 दिनों में बच्चे, युवा और बुजुर्ग भी गरबा के साथ देवी को आराधना करते हैं। इन 9 दिनों में युवा अलग-अलग पारंपरिक परिधानों में नजर आते हैं। नवरात्रि को गरबा के साथ-साथ धूम-धाम



और फैशन का भी त्योहार माना जाता है। इस बार गरबा मैदान में जैन-जैड का जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। वे अब सिर्फ पारंपरिक चनियाचोली से संतुष्ट नहीं हैं, बल्कि उसमें ग्लैमर, अनेखापन और पयूनन भी जोड़ रहे हैं।

पेटलावद में दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए चिकित्सकीय मूल्यांकन शिविर आयोजित, 112 बच्चों का हुआ पंजीयन

साबिर मोहम्मद मंसूरी

मध्य प्रदेश: झाबुआ जिले के पेटलावद विकास खंड में राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल एवं जिला शिक्षा केंद्र झाबुआ के निर्देशानुसार पेटलावद जनपद शिक्षा केंद्र द्वारा आज दिनांक 17 सितंबर 2025, बुधवार को शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय पेटलावद में दिव्यांग बच्चों का चिकित्सकीय मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर विशेष रूप से विकासखंड पेटलावद की कक्षा 1 से 8 तक अध्ययनरत बच्चों के लिए रखा गया। शिविर में विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं से आए कुल 112 बच्चों का पंजीयन किया



गया। इनमें से 24 विद्यार्थियों के पास पूर्व से यूडीआईडी (वउअरुड) कार्ड उपलब्ध नहीं है, उनका पंजीयन आगामी 20 सितंबर को किए जाने की सूचना दी गई। इस कार्यक्रम में खंड स्त्रोत समन्वयक

विद्यार्थियों के पास फिलहाल यह कार्ड उपलब्ध नहीं है, उनका पंजीयन आगामी 20 सितंबर को किए जाने की सूचना दी गई। इस कार्यक्रम में खंड स्त्रोत समन्वयक

मछली पालन के साथ-साथ झींगा पालन हेतु कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रभेश मिश्रा

छत्तीसगढ़: जिला पंचायत सभाकक्ष में कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री विजेन्द्र पाटले के मार्गदर्शन में डॉ. पौलोभी बनर्जी, हेड ई.एस.जी. आई बी ग्रुप राजनांदगांव, डॉ0 मोहन दास, हेड श्रीफ फिड आई बी ग्रुप, श्री शिवेन्द्र कुमार दुबे, सीएसआर मैनेजर आई बी ग्रुप, श्री सूर्य प्रकाश नेताम, तकनीकी मैनेजर आई बी ग्रुप की उपस्थिति में मछली पालन के साथ-साथ झींगा पालन हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम श्री एम.एस. सोनवानी सहायक संचालक मछली पालन द्वारा जिले में मत्स्य पालन हेतु उपलब्ध जल संसाधनों एवं अधोसंरचनाओं के संबंध में आधारभूत जानकारी प्रदाया गया। जहां कुल 1158 ग्रामीण तालाब/सिंचाई जलाशय जलक्षेत्र 1973.00 हे० उपलब्ध है। जिले में पंजीकृत मछुआ सहकारी समिति एवं मछुआ स्वयं सहायता समूह व निजी 1790 मत्स्य कृषक मछली पालन व्यवसाय से जुड़े हुये हैं।



डॉ0 पौलोभी बनर्जी, हेड ई.एस.जी. आई बी ग्रुप द्वारा झींगा पालन के उद्देश्य एवं पूर्ति हेतु जिला सूरजपुर में अपार सं भावनाओं के संबंध में चर्चा किया गया। वैज्ञानिक डॉ. मोहन दास ने झींगा पालन के संबंध में स्थान का चयन, पानी का परीक्षण, तालाब निर्माण, जल प्रवाह की

व्यवस्था, झींगा बीज का चयन, वृद्धि पर निगरानी, खाद्य प्रबंधन, स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण, जल परिवर्तन और सफाई, संग्रहण व विपणन के संबंध में विस्तृत जानकारी दिया। श्री शिवेन्द्र कुमार दुबे एवं श्री सूर्य प्रकाश नेताम ने भी तकनीकी मार्गदर्शन दिया। प्रगतिशील मत्स्य कृषक श्री नरेन्द्र



सिंह ग्राम बसदेई, श्री राकेश गुप्ता ग्राम केवटाली, श्री शैलेन्द्र सिंह ग्राम आमगांव, श्री भोले सिंह ग्राम लक्ष्मीपुर के द्वारा भी अपने अनुभव का साझा करते हुये समस्याओं के बारे में अपना-अपना बात रखा। कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के द्वारा उपस्थित कृषकों को मत्स्य पालन एवं उत्पादकता पर विशेष

ध्यान देने हेतु संबोधित किया जिससे कृषकों की आय में वृद्धि हो सके। साथ ही सहायक संचालक मछली पालन एवं एनआरएलए म की टीम को जिले में मत्स्य पालन के साथ झींगा पालन की संभावनाओं को देखते हुये हैचरी/संवर्धन, कृषकों को उपलब्ध संसाधन, उन्नत किस्म के बीज एवं फीड की उपलब्धता के संबंध में विस्तृत कार्य योजना तैयार करने हेतु निर्देशित किया गया। श्री शिवेन्द्र कुमार दुबे, सीएसआर मैनेजर, श्री सूर्य प्रकाश नेताम, तकनीकी मैनेजर आई बी ग्रुप के द्वारा शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्र बसदेई का भ्रमण किया गया। सहायक संचालक मछली पालन श्री एम.एस. सोनवानी के द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्थान उत्पादन 410 लाख एवं स्टैण्डर्ड फ्राई उत्पादन 80 लाख से अगवत कराया, मत्स्य बीज उत्पादन हैचरी, सॉफिंग पुल, इनक्यूबेशन पुल, प्रजनक पोखर, संवर्धन पोखरों का अवलोकन, स्पॉन, फ्राई, फिंगरलिंग की उपलब्धि एवं रजत महोत्सव 2025 के अवसर पर जिले के

मछुआ सहकारी समिति, मछुआ समूह एवं व्यक्तिगत मत्स्य कृषकों को 50 प्रतिशत अनुदान पर मत्स्य बीज फिंगरलिंग वितरण के संबंध में जानकारी दिया गया। तत्पश्चात् प्रगतिशील मत्स्य कृषक श्री नरेन्द्र सिंह ग्राम बसदेई के द्वारा निर्मित पोण्ड लाईनर, एकीकृत मत्स्य पालन का अवलोकन किया गया जहां पर मत्स्य बीज संचयन, फीड प्रबंधन, संग्रहण व विपणन के संबंध में चर्चा किया गया। श्री नरेन्द्र सिंह ने बताया कि फुटकर बाजार में मत्स्य विक्रय करने से अधिक आमदनी मिलती है, जिससे स्थानीय बेरोजगारों को भी रोजगार का अवसर प्राप्त होता है। कार्यशाला के दौरान श्री ऋषभ सिंह चन्देल उप संचालक पंचायत, श्री सुधाकर बिसेन सहायक मत्स्य अधिकारी, श्री डिम्प्लर सिंह मत्स्य जमादार, श्री अजय साहू भुल, श्री सर्वजीत सिंह, श्रीमती माधुरी भण्डारी बी.पी.एम, प्रगतिशील मत्स्य कृषक, निजी मत्स्य पालक, पंजीकृत मछुआ सहकारी समिति एवं एनआरएलएम महिला स्वयं सहायता समूह के सदस्य भी उपस्थित रहे।

एक नजर

निजामाबाद स्कूल में हेल्थ-केयर विषय पर शैक्षिक कार्यक्रम का आयोजन



प्रभेश मिश्रा/छत्तीसगढ़: पी.एम. श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, रामानुजगर में व्यावसायिक शिक्षण के अंतर्गत हेल्थ केयर विषय क शिक्षिका श्रीमती अर्चना गुप्ता के नेतृत्व में एक विशेष शैक्षिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों के ज्ञानवर्धन हेतु गेस्ट टीचर के रूप में डॉ. मिथिलेश विश्वकर्मा की आमंत्रित किया गया। डॉ. विश्वकर्मा ने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारीयों दीं। उन्होंने बताया कि अस्पताल हमारे जीवन में कितने उपयोगी हैं और किस प्रकार किसी भी प्रकार की बीमारी या पीड़ा की स्थिति में वहां हमें त्वरित उपचार एवं सुविधाएं प्राप्त होती हैं। उन्होंने टीकाकरण की आवश्यकता और महत्व पर विशेष बल देते हुए समझाया कि टीकाकरण के माध्यम से हम अनेक खतरनाक बीमारियों से बच सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने सामान्य स्वास्थ्य देखभाल और जीवनशैली से संबंधित महत्वपूर्ण विंदुओं पर भी चर्चा की। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री पी.सी. सोनी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि हेल्थ केयर विषय पर आयोजित यह पहल विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी है। इससे बच्चों को अतिरिक्त ज्ञान अर्जित करने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने का अवसर मिलेगा।

पद्मश्री शांति देवी की पीड़ा चुनाव में वादे बहुत, पर 5 साल तक कोई नहीं पूछता कलाकारों का हाल



राजपूत रणजीत/गुजरात: मधुबनी कलाकार बोले- पार्टियां वादे करती हैं। फिर 5 साल तक कोई परवाह नहीं करता। कलाकारों के लिए चुनाव के क्या मायने? पद्मश्री मिला न घर न काम। नेता वोट लेने आएंगे मधुबनी कलाकार बोले, पार्टियां वादे करती हैं फिर 5 साल तक कोई परवाह नहीं करता। मधुबनी कला के लिए पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त शांति देवी कहती हैं "हम एक दुकान खोलना चाहते थे, लेकिन हमें सरकार से कोई मदद या ऋण नहीं मिला। हमें पैसे जुटाकर दुकान खोलनी पड़ी। बिहार में नवंबर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में मधुबनी और दरभंगा में रहने वाले कलाकारों के लिए ये चुनाव क्या मायने रखते हैं? इस समझने के लिए दैनिक भास्कर की टीम मधुबनी पहुँची। हमने कलाकारों की समस्याओं और उनके मुद्दों को जाना।

अशोक चौधरी का बड़ा बयान, लालू यादव कर रहे थे सोनिया-राहुल की नकल, तेजस्वी सिजोफ्रेनिक

राजपूत रणजीत/गुजरात: लालू यादव पीठ पीछे सोनिया-राहुल की नकल कर रहे थे। नीतीश स्वस्थ तेजस्वी सिजोफ्रेनिक। लालू यादव उनकी नकल कर रहे थे। अशोक चौधरी बोले, रोए, फिर कांग्रेस छोड़ी। नीतीश स्वस्थ हैं तेजस्वी सिजोफ्रेनिक हैं। सीएम नीतीश कुमार के करीबी और कैबिनेट मंत्री अशोक चौधरी ने भास्कर को दिए एक इंटरव्यू में यह दावा किया। वे लगभग 20 साल तक कांग्रेस में रहे अब जेडीयू में हैं। अशोक का यह भी दावा है कि इस विधानसभा चुनाव में भी 50% से ज्यादा मुसलमान जेडीयू को वोट देंगे। उनका यह भी कहना है कि प्रशांत किशोर के सभी उम्मीदवार मिलकर भी एक लाख वोट नहीं पाएंगे। अशोक चौधरी ने जेडीयू कार्यालय में पीएम मोदी की तस्वीर लगाने, एनडीए में सीट बंटवारे, अंतर्गत सिंह से अपने रिश्ते, भाई-भतीजावाद और वंशवाद को लेकर प्रशांत किशोर द्वारा लगाए गए आरोपों का भी जवाब दिया।

सहारनपुर सेवा ही समर्पण है, प्रधानमंत्री जी के जन्मदिन पर चलाया स्वच्छता का महाअभियान



राकेश कुमार शर्मा/उत्तर प्रदेश: देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के पावन अवसर पर शुरू हुए ह्रसेवा पखवाड़ा के अंतर्गत, अपने वार्ड नंबर 2 में स्वच्छता अभियान की शुरुआत की। यह केवल एक अभियान नहीं, बल्कि ह्रस्वच्छ भारत - स्वस्थ भारत^४ के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने का एक प्रयास है। इस पुनीत कार्य में शामिल होकर वार्ड नंबर 2 बुध नंबर 91और बुध नंबर 383 पर कृष्ण धाम कॉलोनी,वैशाली विहार व पिंजौरा गांव में बाबा साहब की प्रतिमा पर साफ सफाई की बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी को पटका व माला पहनाकर सम्मान किया।और कृष्णा धाम कॉलोनी में झाड़ू लगाई इस अवसर पर सेक्टर के संयोजक राकेश कुमार शर्मा जी, मंडल के मंत्री विजेन्द्र शर्मा जी, मंडल के उपाध्यक्ष अरुण राणा जी, बुध अध्यक्ष पुनम पंचार,करेशनी देवी,ममता रानी,बबीता, ओमवीर प्रजापति जी, सोनू पंचार जी, किशोर भारती, पूर्व जिला पंचायत सदस्य अजय चौधरी, गोपाल वाल्मीकि, टिटू कुमार, अरुण गुप्ता, पूर्व मंडल अध्यक्ष विपिन कुमार, डॉ मनोज सेन, सुधीर चौहान. अंकित कुमार, ज्योति ने स्वच्छता अभियान में भाग लिया। उन्होंने कहा कि। हमने झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया।

सम्पादकीय

वक्फ पर ‘अंतरिम निष्कर्ष’

वक्फ संशोधन कानून, 2025 पर सर्वोच्च अदालत का सीमित हस्तक्षेप बौद्धिक न्यायिक सोच का एक अच्छा उदाहरण है। अदालत ने कानून पर रोक लगाने से साफ इंकार कर दिया, क्योंकि उसका कोई संवैधानिक आधार नहीं था, लेकिन कानून के कुछ विवादित प्रावधानों पर रोक जरूर लगाई है, क्योंकि वे संविधान की हदें लांघते नजर आए और धार्मिक स्वतंत्रता छिनती भी लगी। शीर्ष अदालत ने व्यक्ति के संपत्ति अधिकारों का फैसला करने का अधिकार कलेक्टर को नहीं दिया, लिहाजा कानून में कलेक्टर की भूमिका को सीमित कर दिया गया। सबसे महत्वपूर्ण न्यायिक समीक्षा यह रही कि अदालत ने 5 साल से मुस्लिम होने की शर्त पर रोक लगा दी। न्यायिक पीठ ने कहा कि जब तक राज्य सरकारें इस संदर्भ में कोई नियम-कानून नहीं बना लेतीं कि कोई व्यक्ति मुस्लिम है या नहीं, तब तक तत्काल प्रभाव से इस प्रावधान पर रोक लगाई जाती है। शीर्ष अदालत ने यह भी तय कर दिया कि राज्य के वक्फ बोर्ड परिषद में अधिकतम 3 और केंद्रीय परिषद में अधिकतम 4 गैर-मुस्लिम सदस्य होंगे। वक्फ बोर्ड का सीईओ भी यथासंभव मुसलमान होना चाहिए।

सर्वोच्च अदालत ने कहा है कि वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण का प्रावधान 1995 और 2013 के कानूनों में भी था और अब फिर से लापु किया गया है। इस पर रोक नहीं लगाई जा सकती। वक्फ ट्रिब्यूनल के फैसले के बिना किसी संपत्ति को वक्फ घोषित नहीं किया जा सकता और न ही राजस्व रिकॉर्ड में कोई बदलाव किया जा सकता है। ऐसी न्यायिक समीक्षा के साथ प्रधान न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवंई और जस्टिस जॉर्ज मसीह की पीठ ने वक्फ संशोधन कानून पर अस्थायी और शुरुआती विचार दिया है। यह सर्वोच्च अदालत का अंतरिम फैसला है। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस गवंई के अनुसार, यह अंतिम निष्कर्ष नहीं है। फिलहाल हमने इतना ही देखा है कि क्या कानून अथवा उसकी किसी धारा पर तुरंत रोक लगाई जाए अथवा नहीं? बहरहाल अंतरिम निष्कर्ष से ही सता और विपक्ष दोनों संतुष्ट हैं और अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं, लेकिन जिन आधारों पर 20 से अधिक याचिकाएं दाखिल की गई थीं, उन पर शिकायतकर्ताओं को हताशा मिली है। यह न्यायिक निष्कर्ष किसी के भी गाल पर तमाचा नहीं है, बल्कि अदालत की सोच रही है कि देश में अमन-चैन, भाईचारा बना रहे। सांप्रदायिक तनाव के हालात न बनें। यह फैसला संसदीय लोकतंत्र के हित में है।

संसद के फैसले पर ही अदालत ने बुनियादी मुद्दे लगाई है। संसद की सर्वोच्चता को लांघा नहीं जा सकता, अदालत ने अपने निष्कर्ष में परोक्ष रूप से यह माना भी है। कानून के विपक्षियों की दलीलें थीं कि वक्फ संशोधन कानून से संविधान के अनुच्छेदों-14, 15, 25, 26, 29, 30 और 300-ए का उल्लंघन होगा, लिहाजा यह कानून संवैधानिक कैसे हो सकता है? न्यायिक पीठ ने इन दलीलों को खारिज करते हुए संशोधित कानून को बरकरार रखा है। विपक्ष ने यहां तक आरोप लगाए कि सरकार मुसलमानों की मस्जिदें, इंदगाह, उनके कब्रिस्तानों की जमीनों पर कब्जा करके अपने ‘मित्र उद्योगपतियों’ को सौंपने की मंशा रखती है। अदालत में इन आरोपों का क्या हुआ? अब भी अदालत के सामने यह मामला है। आगे जब सुनवाई शुरू होगी, तो विपक्ष के वकील दलीलें दे सकते हैं, क्योंकि देश जानना चाहता है कि इन सांप्रदायिक आरोपों की बुनियाद क्या थी। मुस्लिम नेताओं, मौलवियों, मुफ्तियों, इमामों आदि ने नौजवान मुसलमानों के लिए बेहद उतेजक आह्वान किए कि वे राजधानी दिल्ली में लामबंद हों और सरकार को अपनी ताकत दिखाएं। क्या वाकई ऐसी नौबत आ गई थी? अक्रम सवाल है कि भारत में 8.72 लाख से अधिक वक्फ संपत्तियां हैं, जो दुनिया में सर्वाधिक हैं, फिर भी औसत मुसलमान गरीब, असहाय, अनाइद क्यों है? यह सवाल तो ‘सच्चेर केम्ट्री’ की रट में भी उठाया गया था। सवाल यह है कि वक्फ ट्रिब्यूनल में आज भी 14, 417 विवादित केस क्यों लंबित हैं? न्यायिक पीठ ने ‘वक्फ बाय यूजर’ के स्थान पर भविष्य में ‘वक्फ बाय ऑनर’ का फैसला क्यों दिया है? दरअसल वक्फ की बेशुमार संपत्तियों पर जो अवैध कब्जे हैं, जो धांधलियां निहित हैं, जो पापदर्शिता और प्रबंधन नहीं है, क्या उन्हें इसलिए छोड़ दिया जाए कि वे मुसलमानों से जुड़ी हैं। सरकार के दायित्व सर्वधर्मां होते हैं। विसंगतियां समाप्त होनी चाहिए, भ्रष्टाचार का खात्मा किया जाना चाहिए।

नेपाल जनविद्रोह: ये तो होना ही था

—निर्मल रानी—

बिहार में दशरंगा-जनयनगर के रास्ते 5 वर्ष पूर्व नेपाल जाने का अवसर देखा था। भारत नेपाल के सीमावर्ती नेपाली शहर जनकपुर के बीचोबीच मिला सीता को समर्पित हिन्दू-राजपूत वास्तुकला का एक विशुद्ध हिन्दू मन्दिर एवं ऐतिहासिक स्थल है जिसे राम जानकी मंदिर के नाम से जाना जाता है। मेरे नेपाल प्रवास के उस दौर में जनयनगर से लेकर जनकपुर तक की पूरी सड़क पर अधिकांश क्षेत्र में सिर्फ मिटटी पड़ी हुई थी। केवल कहीं कहीं बजरी पड़ी दिखाई देती थी। डामर रोलेर और काली सड़कों का तो कहीं दूर तक नामो निशान ही नहीं था। रास्ते में कहीं बस का पहिया जमीन में धंसा दिखाई दे रहा था तो कहीं श्री व्हीलर उल्टी पड़ी थी। बसों का तो आलम यह था कि टूटे शीशे व खिड़कियां, टूटी कष्टदायक सीटें, गोया कबाड़खाने से लाकर बसें चलाई जा रही हों। जनकपुर जैसे प्रसिद्ध तीर्थस्थल व पर्यटन नगरी की शहर की सड़कों में गड्ढे, बदबूदार और रूकी हुई नालियां, शहर में खाने पीने का उपयुक्त होल नहीं। जिस होटल में ठहरना हुआ उस होटल के प्रबंधक ने दोपहर 12 बजे होटल में पहुँचने पर पहले ही बता दिया कि लाइट नहीं आ रही है रात 8 बजे आयेगी, रूम बुक कराना हो तो कराइये वरना तशरीफ ले जाइये। जब होटल प्रबंधक से नेपाल की इस दुर्दशा के बारे में पूछा तो उसने एक ही बात कही। “भ्रष्टाचार तो भारत में भी है परन्तु वहां 50 प्रतिशत खाकर 50 प्रतिशत तो लगा ही देते होंगे। मगर हमारे नेपाल में तो 90 प्रतिशत खा जाते हैं केवल 10 प्रतिशत ही किसी योजना में लगाते हैं।” उसी दिन यह एहसास हो गया था कि एक न एक दिन पानी सिर से ऊपर होगा और आज नहीं तो कल इसी नेपाल में भ्रष्टाचार के विरुद्ध विद्रोह जरूर पनोेगा।

खैर, नेपाल में लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक अस्थिरता, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, आर्थिक असमानता, युवा बेरोजगारी के विरुद्ध आखिरकार जनविद्रोह फूट ही पड़ा। सोशल मीडिया पर लगाये गये प्रतिबंध यानी युवाओं की सत्ता विरोधी आवाज को दबाने का सरकारी प्रयास इस हिंसक जनविद्रोह का बहाना बना। 8 सितंबर 2025 को शुरू हुये इस जनविद्रोह में राजधानी काठमांडू सहित नेपाल के अन्य प्रमुख शहरों में हजारों युवा सड़कों पर उतर आए। आंदोलनकारियों ने सरकार की भ्रष्ट नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की, जो जल्दी ही हिंसक हो गई। प्रदर्शनकारियों ने राजधानी काठमांडू स्थित संसद भवन, सरकारी प्रशासनिक मुख्यालय, सिंह दरबार, प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रालयों और संसदीय कार्यालयों के परिसर, सुप्रीम कोर्ट भवन, राष्ट्रपति भवन, राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल के निवास, नेपाली कांग्रेस पार्टी मुख्यालय, कम्युनिस्ट पार्टी मुख्यालय, निवर्तमान प्रधानमंत्री ओली के पार्टी मुख्यालय, 5 सितारा हिल्टन होटल, नेपाल के सबसे बड़े मीडिया समूह कांतिपुर मीडिया हाउस, स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्रालय भवन, तथा प्रांतीय विधानसभा भवन जैसे प्रमुख इमारतों को आग के हवाले कर दिया। काठमांडू की इन इमारतों के अलावा भी देशभर में अनेक सरकारी कार्यालयों, पुलिस स्टेशनों और नेताओं के घरों को निशाना बनाया गया। इस दौरान त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा अस्थायी रूप से बंद रहा, और गौतम बुद्ध अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा अग्न की भी क्षति पहुँची। इन्हीं हिंसक वारदातों में मृतकों की संख्या 51 पार कर गई। इनमें 21 प्रहसनिकारी, नौ केटी, तीन पुलिस अधिकारी और 18 अन्य शामिल हैं। प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया। सेना को कर्फ्यू लगाकर सड़कों पर तैनात किया गया। कई मंत्रियों व उद्योगपतियों के घर कार्यालय व संस्थान आग के हवाले कर दिये गये। नेपाल में चले इन विरोध प्रदर्शनों के बाद आंदोलनकारियों की समरति से सुशीला कार्की को नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया।

अमेरिका पूरी दुनिया में

अशांति फैलाकर

राजनीतिक अस्थिरता को

बनाए रखने के लिए

तमाम तरह के प्रयास

करता रहता है, जहां

इजरायल के खिलाफ पूरी

दुनिया ने वोट किया वहीं

उसके हमलों के लिए

उसकी निंदा की, परंतु

अमेरिका अपनी अलग ही

हनक पाले हुए हैं’ एक न

एक दिन अमेरिका अपनी

दोगली नीतियों के कारण

अकेले रह जाएगा’ भारत

हमेशा ही शांति एवं किसी

भी देश की संप्रभुता का

हिमायती रहा है, भारत ने

कभी भी अमेरिका, रूस,

चाईना से प्रभावित होकर

गलत का साथ नहीं दिया’

भारत हमेशा से ही

गुटनिरपेक्ष नीति का

समर्थक रहा है’

—विकेश कुमार बडोला—

अमेरिका पूरी दुनिया में

अशांति फैलाकर

राजनीतिक अस्थिरता को

बनाए रखने के लिए

तमाम तरह के प्रयास

करता रहता है, जहां

इजरायल के खिलाफ पूरी

दुनिया ने वोट किया वहीं

उसके हमलों के लिए

उसकी निंदा की, परंतु

अमेरिका अपनी अलग ही

हनक पाले हुए हैं’ एक न

एक दिन अमेरिका अपनी

दोगली नीतियों के कारण

अकेले रह जाएगा’ भारत

हमेशा ही शांति एवं किसी

भी देश की संप्रभुता का

हिमायती रहा है, भारत ने

कभी भी अमेरिका, रूस,

चाईना से प्रभावित होकर

गलत का साथ नहीं दिया’

भारत हमेशा से ही

गुटनिरपेक्ष नीति का

समर्थक रहा है’

अमेरिका पूरी दुनिया में

अशांति फैलाकर

राजनीतिक अस्थिरता को

बनाए रखने के लिए

तमाम तरह के प्रयास

करता रहता है, जहां

इजरायल के खिलाफ पूरी

दुनिया ने वोट किया वहीं

उसके हमलों के लिए

उसकी निंदा की, परंतु

अमेरिका अपनी अलग ही

हनक पाले हुए हैं’ एक न

एक दिन अमेरिका अपनी

दोगली नीतियों के कारण

अकेले रह जाएगा’ भारत

हमेशा ही शांति एवं किसी

भी देश की संप्रभुता का

हिमायती रहा है, भारत ने

कभी भी अमेरिका, रूस,

चाईना से प्रभावित होकर

गलत का साथ नहीं दिया’

भारत हमेशा से ही

गुटनिरपेक्ष नीति का

समर्थक रहा है’

इजरायल-फिलिस्तीन मुद्दे पर वैश्विक समर्थन: फिलिस्तीन के साथ

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने फिलिस्तीन

समस्या के शांतिपूर्ण समाधान के लिए द्वि-

राष्ट्र समाधान का समर्थन करने वाले

न्यूयॉर्क घोषणापत्र को मंजूरी दे दी,

जिसका भारत सहित 142 अन्य देशों ने

भी समर्थन किया। फ्रांस और सऊदी

अरब के प्रोत्साहन से, इस पहल का

उद्देश्य मध्य पूर्व में शांति की दिशा में एक

मार्ग प्रशस्त करना है। संयुक्त राष्ट्र की

स्क्रीन पर प्रदर्शित मतदान परिणामों के

अनुसार, इस प्रस्ताव का 142 देशों ने

समर्थन किया, 10 ने इसका विरोध किया

और 12 देशों ने मतदान में भाग नहीं

लिखा।

इस मामले में भारत का रुख एक

संप्रभु, स्वतंत्र और व्यवहार्य फिलिस्तीन

राज्य की स्थापना का समर्थन करना है,

जो मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर एक

सुरक्षित इजराइल राज्य के साथ

शांतिपूर्वक रह सके। इस प्रस्ताव में

अक्टूबर 2023 में हमस द्वारा इजरायल

पर किए गए हमले की निंदा की गई,

जिसमें 1200 लोगों की मौत हुई थी और

250 से अधिक लोग बंधक बनाए गए

थे’ इसके साथ-साथ प्रस्ताव में गाजा में

इजरायल की जवाबी कार्रवाई की भी

आलोचना की, जिसमें नागरिक बबादी,

इंफ्रास्ट्रक्चर की तबाही, नाकेबंदी और

भुखंडर की वजह से पैदा हुए मानवीय

संकट का भी जिक्र किया गया’, प्रस्ताव

में इजरायल से यह भी आग्रह किया गया

कि वह दो-राज्य समाधान (टू-स्टेट

सॉल्यूशन) के लिए स्पष्ट प्रतिबद्धता व्यक्त

करे’ साथ ही सभी हिंसक कदमों पर तुरंत

ब्रेक लगाए’ कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों

में नई बस्तियों और जमीन पर कब्जा न

करने का वादा करे’ पूर्वी येरूशलम समेत

किसी भी भाग को जोड़ने या विस्तार करने

का भी प्रावधान नहीं है।

इस कारण एक ही घर में रहते हुए भी

ये लोग माता-पिता, दादा-दादी व भाई-

बहनों से पारिवारिक संबंधों के अनुसार

बातचीत व आचार-व्यवहार नहीं कर रहे।

इन्होंने घर को केवल अपनी भौतिक

आवश्यकताओं की पूर्ति का माध्यम बना

रखा है। इन्हें कुछ समस्याओं तो ये उग्र

होकर काटने को दौड़ते हैं। इन्हें सदुपां, सत्त्विक

भोजन, प्राकृतिक रहन-सहन,

परंपरा-प्रकृति, धर्म-साहित्य के संघर्ष में

साथ कोई शिक्षा या सीख दो तो ये विपरीत

नास्तिक होकर माता-पिता, बड़े-बुढ़ों व

अन्य अभिभावकों का घृणित तिरस्कार

करने लगते हैं। ऐसी पीढ़ी के साथ माता-

पिता तथा अन्य परिवारीजनों का दैनिक

जीवन-संघर्ष जीवन के लिए अत्यंत

दुःखदायी बना हुआ है। इस पीढ़ी के

किशोर व युवा जब अपने परिवार की



की नीति से सार्वजनिक रूप से इनकार

करे’ इजरायली विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता

ओरेन माम्रोर्स्टीन ने एक्स पर एक पोस्ट

में कहा कि एक बार फिर यह साबित हो

गया है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा

वास्तविकता से कितनी दूर एक

राजनीतिक संकट है’ इस प्रस्ताव में एक

हमस एक आतंकवादी संगठन है, वहीं,

250 से अधिक लोग बंधक बनाए गए

थे’ इसके साथ-साथ प्रस्ताव में गाजा में

इजरायल की जवाबी कार्रवाई की भी

आलोचना की, जिसमें नागरिक बबादी,

इंफ्रास्ट्रक्चर की तबाही, नाकेबंदी और

भुखंडर की वजह से पैदा हुए मानवीय

संकट का भी जिक्र किया गया’, प्रस्ताव

में इजरायल से यह भी आग्रह किया गया

कि वह दो-राज्य समाधान (टू-स्टेट

सॉल्यूशन) के लिए स्पष्ट प्रतिबद्धता व्यक्त

करे’ साथ ही सभी हिंसक कदमों पर तुरंत

ब्रेक लगाए’ कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों

में नई बस्तियों और जमीन पर कब्जा न

करने का वादा करे’ पूर्वी येरूशलम समेत

किसी भी भाग को जोड़ने या विस्तार करने

का भी प्रावधान नहीं है।

इस कारण एक ही घर में रहते हुए भी

ये लोग माता-पिता, दादा-दादी व भाई-

बहनों से पारिवारिक संबंधों के अनुसार

बातचीत व आचार-व्यवहार नहीं कर रहे।

इन्होंने घर को केवल अपनी भौतिक

आवश्यकताओं की पूर्ति का माध्यम बना

रखा है। इन्हें कुछ समस्याओं तो ये उग्र

होकर काटने को दौड़ते हैं। इन्हें सदुपां, सत्त्विक

भोजन, प्राकृतिक रहन-सहन,

परंपरा-प्रकृति, धर्म-साहित्य के संघर्ष में

साथ कोई शिक्षा या सीख दो तो ये विपरीत

नास्तिक होकर माता-पिता, बड़े-बुढ़ों व

अन्य अभिभावकों का घृणित तिरस्कार

करने लगते हैं। ऐसी पीढ़ी के साथ माता-

पिता तथा अन्य परिवारीजनों का दैनिक

जीवन-संघर्ष जीवन के लिए अत्यंत

दुःखदायी बना हुआ है। इस पीढ़ी के

किशोर व युवा जब अपने परिवार की

सऊदी अरब और उनके सभी सहयोगी

द्वि-राष्ट्र समाधान सम्मेलन में इस शांति

योजना को मूर्त रूप देने के लिए न्यूयॉर्क

में मौजूद रहेंगे। स्थायी शांति के दृष्टिकोण

पर प्रकाश डालते हुए, मैक्रों ने आगे कहा

कि एक और भविष्य संभव है। संके

अलावा मैक्रों ने अमेरिका से फिलिस्तीनी

अधिकारियों को वीजा देने से इनकार

करने के अपने फैसले को वापस लेने का

आह्वान किया और इस कदम को

अस्वीकार्य बताया। साथ ही, उन्होंने

मेजबान देश समझौते के अनुसार सम्मेलन

में फिलिस्तीनी प्रतिनिधित्व के सहचर

जोड़ दिया। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा कि

बिहार में अडानी को दी गई जमीन के विरोध में कांग्रेस का आज विशाल मार्च

पटना (एजेंसी)। बिहार के भागलपुर जिले में अडानी की कंपनी को बिहार सरकार द्वारा दी गई जमीन के विरोध में बिहार प्रदेश कांग्रेस द्वारा आज दिनांक 18 सितंबर को राजधानी पटना में विशाल मार्च का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी कांग्रेस के मीडिया कमेटी के अध्यक्ष राजेश राठौड़ ने दी। उन्होंने बताया की आप सभी को ज्ञात है, हमारी पार्टी ने हाल ही में एक बड़ा खुलासा किया है कि बिहार सरकार ने भागलपुर में अडानी समूह को मात्र 1 रुपया प्रति वर्ष की दर से 1,050 एकड़ जमीन और 10 लाख पेड़ दिए हैं। यह सौदा न सिर्फ किसानों के साथ अन्याय है, बल्कि यह बिहार की जनता के साथ एक बड़ी लूट भी है। इस अन्याय और लूट के खिलाफ, बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने एक विशाल विरोध मार्च का आयोजन किया है। इस मार्च का उद्देश्य इस सौदे को रद्द करने की मांग करना और जनता को जागृतक करना है। उन्होंने बताया कि यह मार्च गुरुवार सुबह 10 बजे पटना में सदाकत आश्रम से शुरू होकर राजेंद्र बाबू की समाधि, बांसघाट तक जाएगी। इस मौके पर बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लवारू प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम, कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता डॉ.शकील अहमद खान विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता डॉ.मदन मोहन झा समेत प्रदेश के सभी कांग्रेस सांसद, पूर्व सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, विधान पार्षद के साथ सभी बड़े नेता उपस्थित रहेंगे।

करोड़ों का कैश, प्लेट, 6 प्लॉट्स और फार्मलैंड, इंजीनियर के घर....नोटों का जखीरा बरामद

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के हैदराबाद में एटी-करणम ब्यूरो (एसबीबी) ने टीजीएसपीडीसीएल के असिस्टेंट डिविजनल इंजीनियर (एडीई) अम्बेडकर एरुगु के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज हुआ है। एसबीबी की छापेमारी में उनके और उनके रिश्तेदारों के घरों से करोड़ों रुपये की नकदी बरामद हुई है। एसबीबी टीम की छापेमारी में 2.18 करोड़ नकद, एक प्लेट, एक जी+5 बिल्डिंग, 10 एकड़ जमीन पर एक कंपनी, 6 प्लॉट्स, एक फार्मलैंड के कागज मिले हैं। साथ ही दो फोर व्हीलर्स, सोने के जैवर और बैंक में जमा रूपयों का पता चला है। एसबीबी अधिकारियों ने कहा, तलाशी से पता चला कि इंजीनियर ने अपने पद का दुरुपयोग करके ये चल-अचल संपत्तियां बनाई हैं। तलाशी अभी भी जारी है। संपत्तियों का बाजार मूल्य उनके आधिकारिक मूल्य से कहीं ज्यादा है। आरोपी इंजीनियर को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। बता दें कि यह एक महीने से भी कम समय में एसबीबी द्वारा पकड़ा गया आय से अधिक संपत्ति का दूसरा बड़ा मामला है। 19 अगस्त को एसबीबी ने एक तहसीलदार पर छापे के दौरान 5 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति का पता लगाया था। अधिकारियों ने वारंगल जिले के वारंगल फोर्ट मंडल के तहसीलदार बांदी नागेश्वर राव से जुड़े सात स्थानों पर तलाशी ली।

गैंगस्टर छोटा राजन को सुप्रीम कोर्ट से झटका, जमानत को रद्द कर दिया



नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गैंगस्टर छोटा राजन (राजेंद्र सदाशिव निकलजे) को बाँबे हाई कोर्ट द्वारा दी गई जमानत को रद्द कर दिया है। यह फैसला होटल कारोबारी जया शेट्टी की 2001 में हुई हत्या के मामले में आया है, जिसमें छोटा राजन को उम्रकैद की सजा मिली थी। जस्टिस विक्रम नाथ की बेंच ने सीबीआई की दलीलों पर यह आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि छोटा राजन पहले से ही चार अन्य मामलों में दोषी ठहराया जा चुका है और 27 साल तक फंकर रहा था। इसके बाद उसकी सजा को निलंबित करने का कोई कारण नहीं है। वहीं छोटा राजन के वकील ने दावा किया कि यह मामला सबूतों के बिना है और 71 में से 47 मामलों में सीबीआई को उसके खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं मिले थे। हालांकि, वकील ने यह स्वीकार किया कि यह हत्या के मामले में उसकी दूसरी सजा है। हत्या का मामला- जया शेट्टी, जो दक्षिण मुंबई के गोएडन काउन रोड के मालिक थी, को छोटा राजन के गिराह से सेंट्रली की धमकियाँ मिल रही थीं। मई 2001 में, उन्हें उनके कार्यालय के बाहर गोली मार दी गई थी, क्योंकि उन्होंने गिराह को पैसे देने से मना कर दिया था। 2024 में, मुंबई की एक विशेष मकोका अदालत ने छोटा राजन को इस मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। छोटा राजन को अक्टूबर 2015 में डब्ल्यूओए के वाली में गिरफ्तार किया गया था और फिर उसे भारत लाया गया था। महाराष्ट्र में उसके खिलाफ कुल 71 मामले दर्ज थे, जिन्हें बाद में सीबीआई को सौंप दिया गया था।

दो महिला नक्सलियों को पुलिस ने मार गिराया, हथियार और अन्य सामान बरामद

गढ़चिरोली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के गढ़चिरोली जिले में बुधवार सुबह सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ में दो महिला नक्सली मारी गईं। पुलिस को खुशीया जानकारी मिली थी कि गढ़ा दालम के सदस्य एटापल्ली तालुका के मोडरके गांव के जंगल में स्थित हुए हैं। पुलिस ने अतिरिक्त पुलिस अश्वीक (आहेरी) सत्य साई कार्तिक की देखरेख में संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया। इसमें आहरी से पांच सी-60 कमांडो युनिट, गढ़ा जातीय पुलिस पोस्ट के जवान और सीआरपीएफ की 191 बटालियन की कंपनी शामिल थी। इलाके को घेरकर सर्च ऑपरेशन चलाया गया तभी नक्सलियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। सी-60 कमांडो ने जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ के बाद, दो महिला नक्सलियों के शर मिले। एक, उम्र-47, एक आधुनिक पिस्टल, जिंदा कारतूस, बड़ी मात्रा में नक्सली साहित्य और अन्य सामान बरामद किया गया। पुलिस का कहना है कि इलाके में कॉम्बिंग ऑपरेशन जारी है।

देश की प्रदूषण मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट बोला-

पराली जलाने वालों की गिरफ्तारी क्यों नहीं करते

-जुर्माना नाकाफी, किसानों को जवाबदेह बनाना जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि देश की प्रदूषण नियंत्रण एजेंसियां और राज्य सदियों से पहले तीन हफ्ते में वायु प्रदूषण से निपटने के उपाय बताएं। कोर्ट ने यह टिप्पणी दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान की, जिसमें पटाखे और पराली जलाना शामिल है। आगली सुनवाई 8 अक्टूबर को होगी। सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने कमीशन फॉर एयर क्लॉलिटी मैनेजमेंट , सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों से कहा कि हर साल सदियों में प्रदूषण का लेवल खतरनाक स्तर पर पहुंच जाता है, इसलिए समय रहते कदम उठाना जरूरी है। कोर्ट ने किसानों द्वारा पराली जलाने को लेकर कहा कि जो किसान पराली न जलाने के सरकारी निर्देशों का उल्लंघन करते हैं, उनको गिरफ्तार क्यों नहीं करते? सिर्फ जुर्माना लगाने से काम नहीं चलेगा, किसानों को जवाबदेह बनाना जरूरी है।

पराली जलाने वाले किसानों को मिनिमम सपोर्ट प्रॉस्ट सिस्टम के लाभ से बाहर रखा जाना चाहिए, क्योंकि यदि कोई किसान कानून तोड़कर पराली जलाता है, तो उसे आर्थिक रूप से भी



सजा देनी चाहिए, सिर्फ जुर्माना भरना या चेतावनी देना काफी नहीं है। राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसानों को पराली प्रबंधन की मशीनरी दी जाए और उनको बेहतर विकल्प दिए जाए ताकि वे पराली जलाने के जगह अन्य तरीकों का उपयोग कर सकें। पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों को निर्देश दिया

कि पराली जलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए सिर्फ नाममात्र का जुर्माना लगाने से समस्या नहीं सुलझेगी। हालांकि किसान को केवल खलनायक के रूप में पेश करना गलत है। उसके पक्ष की भी सुनवाई होनी चाहिए।

सीएम योगी ने प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया के सबसे दूरदर्शी और लोकप्रिय राजनेता बताया

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर लखनऊ में सेवा पखवाड़ा-2025 की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नया भारत आज दुनिया के लिए प्रेरणा बन रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक पूरे देश में मनाया जाएगा, जिसमें भाजपा विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों से जुड़ेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया के सबसे दूरदर्शी और लोकप्रिय राजनेताओं में से एक बताया। योगी ने बीते 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की उपलब्धियों को गिनाया। उन्होंने बताया कि इन्फ्रास्ट्रक्चर, निवेश, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और जल संसाधन जैसे क्षेत्रों में देश ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने कहा कि गांवों, किसानों, महिलाओं और



कोविड-19 महामारी के दौरान भारत की भूमिका को प्रशंसा करते हुए योगी ने कहा कि जब पूरी दुनिया इस संकट से जूझ रही थी, तब भारत ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक ग्लोबल मॉडल बनकर दिखाया। उन्होंने बताया कि सेवा पखवाड़ा के तहत 18 और 19 सितंबर को हर जिले के अस्पतालों और कॉलेजों में स्वास्थ्य शिविर और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सीएम नीतीश ने 16 लाख मजदूरों को दिए 5 हजार... मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना के वेब पोर्टल का शुभारंभ

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को श्रमिकों के हित में एक बड़ी पहल की है। बिहार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के तहत वार्षिक वस्त्र सहायता योजना की राशि का सीधा अंतरण किया गया। इस योजना के तहत राज्य के 16 लाख 4 हजार 929 पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को प्रति व्यक्ति 5 हजार रुपये की दर से कुल 802 करोड़ 46 लाख 45 हजार रुपये उनके बैंक खातों में ट्रान्सफर किए गए। नीतिश सरकार का दावा है कि इस पहल से निर्माण कार्यों में लगे श्रमिकों के जीवनस्तर को सुधारने में मदद मिलेगी। आर्थिक सहायता मिलने से जहां श्रमिकों को रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी, वहीं उनका सामाजिक और आर्थिक विकास भी संभव होगा। इस मौके पर दोनों डिटी सीएम कार्यक्रम में रहे मौजूद रहे। श्रम संसाधन और इसकारण भारत में इस बार विभाग के मंत्री सहित अन्य अधिकारी भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री नीतिश ने कहा कि उनकी सरकार शुरू से ही समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने



का काम कर रही है और यह प्रयास आगे भी जारी रहेगा। इस अवसर पर सीएम नीतिश ने मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना के वेब पोर्टल का भी शुभारंभ किया। इस पोर्टल के जरिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक अधिक पारदर्शी और त्वरित ढंग से पहुंच पायदान पर खड़े लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने

मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि गरीब और वंचित वर्ग के लोग सम्मानजनक जीवन जी सकें। उन्होंने दो टुक कहा कि बिहार में श्रमिक वर्ग राज्य की प्रगति की रीढ़ है। इसके बाद उनके अधिकारों और जरूरतों की पूर्ति करना सरकार की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि इस तरह की योजनाएं

श्रमिकों को मजबूती देगी और उनके बच्चों का भविष्य भी बेहतर होगा। इस मौके पर मौजूद डिटी सीएम चौधरी और विजय कुमार सिंह ने भी श्रमिक हित में सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बिहार विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

कांग्रेस को हाईकोर्ट से झटका, प्रधानमंत्री की मां का एआई वीडियो तुरंत हटाने का आदेश

पटना (एजेंसी)। पटना हाईकोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां हीराबेन मोदी को दर्शाने वाले एक एआई वीडियो को तुरंत हटाने का आदेश दिया है। प्रधानमंत्री मोदी और उनकी मां पर आधारित एआई वीडियो बनाने के लिए कांग्रेस पार्टी के खिलाफ बुधवार को पटना हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने कांग्रेस पार्टी को वीडियो तुरंत हटाने का निर्देश दिया। पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पी.बी. बजथरी के समक्ष सुनवाई के दौरान, कोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां हीराबेन मोदी का अपमान करने वाले वीडियो को सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से तुरंत हटाने का आदेश दिया। मालूम हो कि 10 सितंबर को, कांग्रेस के आधिकारिक एक्स हैडल पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी की मां का एआई-आधारित चित्रण दिखाया गया है। इस विवादस्पद वीडियो में, दिवंगत हीराबेन मोदी का किरदार अपने बेटे नरेंद्र मोदी को राजनीतिक लाभ के लिए उनके नाम का दुरुपयोग करने के लिए खंडता हुआ दिखाई दे रहा है। भाजपा ने इस वीडियो का कड़ा विरोध



करते हुए इसे मोदी की मां का अपमान बताया है। भाजपा ने वीडियो के खिलाफ पटना हाई कोर्ट का भी दखला खटखटया है। भाजपा ने अपनी शिकायत में दावा किया है कि यह वीडियो न केवल प्रधानमंत्री की छवि धूमिल करता है, बल्कि एक मृत महिला की छवि का भी हनन करता है। दिल्ली पुलिस ने भाजपा कार्यकर्ता संकेत गुप्ता को शिकायत पर 13 सितंबर को एक प्राथमिकी दर्ज की थी, जिसमें कांग्रेस नेताओं के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की कई धाराओं के तहत कार्रवाई की मांग की गई थी। प्राथमिकी में

वीडियो को प्रधानमंत्री मोदी और उनकी मां की छवि धूमिल करने वाला बताया गया है।

-कांग्रेस ने किया बचाव

कांग्रेस पार्टी ने वीडियो पर अपना बचाव किया है। पार्टी के मीडिया प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा, इस वीडियो में किसी का अपमान नहीं किया जा रहा है। माँ केवल अपने बेटे को राजधर्म की शिक्षा दे रही हैं, अगर प्रधानमंत्री को यह अपतिजनक लगता है, तो यह उनकी समस्या है।

प्रंचंड गर्मी के बाद मूसलाधार बारिश... अब कपकंपा देने वाली ठंड के लिए तैयार रहे

अक्टूबर से दिसंबर के बीच ला नीना बनने की प्रबल उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि इस साल के अंत तक ला नीना के कारण मौसम का पैटर्न प्रभावित होगा और इसकारण भारत में इस बार कड़ुके की ठंड पड़ेगी है। एक अमेरिकी मौसम एजेंसी ने कहा कि अक्टूबर से दिसंबर के बीच ला नीना बनने की प्रबल उम्मीद बन रही है। मौसम विभाग ने बताया कि ला नीना प्रशांत महासागर के भूमध्यरेखीय हिस्से में समुद्र सतह के तापमान के ठंड होने की स्थिति है, इसका असर पूरी दुनिया के मौसम पर दिखाता है और इसकारण भारत में इस बार कड़ुके की ठंड पड़ सकती है।

आइएमडी ने बताया कि अभी स्थितियां सामान्य बनी हुई हैं, लेकिन भारतीय मौसम विभाग का मानना है कि मॉनसून के बाद ला नीना की संभावना



बढ़ेगी। एक वरिष्ठ आईएमडी अधिकारी ने कहा, हमारे मॉडल अक्टूबर-दिसंबर में ला नीना विकसित होने की प्रतिशत से अधिक संभावना दिखा रहे हैं। ला नीना के दौरान भारत में सर्दियां सामान्य से ठंडी होती हैं। हालांकि जलवायु परिवर्तन के कारण गर्माहट कुछ असर कम कर सकती है, लेकिन ठंडी लहरें बढ़ सकती हैं।

वहीं भारतीय निजी मौसम एजेंसी ने कहा कि ला नीना की स्थिति से इंकार नहीं कर सकते हैं। उन्होंने बताया, प्रशांत महासागर का तापमान पहले ही सामान्य

से ठंडा है। यदि यह -0.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे नीचे तीन तिमाहियों तक बना रहता है, तब इस ला नीना घोषित कर दिया जाएगा। 2024 के अंत में भी ऐसी ही स्थिति बनी थी जब नवंबर से जनवरी तक अत्यंतकालिक ला नीना रहा था। उन्होंने कहा, इस बार अमेरिका में सूखी सर्दियों का खतरा है, जबकि भारत में कड़ुके की ठंड और हिमालयी क्षेत्रों में अधिक बर्फबारी हो सकती है। आइआईएसईआर मोहाली और नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस रिसर्च, ब्राजील ने भी अपने अध्ययन में पाया है कि ला नीना वर्षों में उत्तर भारत में ठंडी लहरें अधिक और लंबी अवधि तक चलती हैं। अध्ययन के अनुसार, ला नीना के दौरान निचले स्तर पर बनने वाली चक्रवात हवाएं उत्तरी अक्षांशों से ठंडी हवा भारत की ओर खींच लाती हैं।



कहना है कि यह एक द्विपक्षीय मामला है। डार ने कहा कि पाकिस्तान द्विपक्षीय वार्ता के लिए राजी है। लेकिन हम बातचीत के लिए किसी के सामने भीख नहीं मांगेंगे। हमारा देश एक शांतिप्रिय देश है और

हमारा मत यह है कि बातचीत से आगे का कोई रास्ता निकलेगा। डार ने यह इच्छा भी जताई कि अगर भारत चाहे तो पाकिस्तान उसके साथ बातचीत के लिए तैयार है।



अभिनेत्री ऐश्वर्या लक्ष्मी ने खुद के लिए लिया बड़ा फैसला

मलयालम और तमिल सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री ऐश्वर्या लक्ष्मी ने हाल ही में एक बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने सोशल मीडिया से दूरी बनाकर अपने अभिनय और फिल्मों पर ध्यान केंद्रित करने का ऐलान किया है। ऐश्वर्या का कहना है कि वक्त के साथ उन्होंने महसूस किया कि सोशल मीडिया ने उनकी असली सोच और जीवन की छोटी-छोटी खुशियों को उनसे छीन लिया है। ऐश्वर्या लक्ष्मी ने बताया कि लंबे समय तक उन्हें यह विश्वास दिलाया गया कि एक्टिंग करियर को आगे बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया जरूरी है। इंस्टाग्राम में बने रहने और दर्शकों से जुड़े रहने के लिए उन्होंने भी इस तरीके को अपनाया। लेकिन धीरे-धीरे उन्हें महसूस हुआ कि यह प्लेटफॉर्म उनके काम में बाधा बन रहा है। ये ना सिर्फ उनकी तैयारी को प्रभावित कर रहा था, बल्कि उनके निजी जीवन की सहजता भी खो रही थी। उन्होंने पोस्ट करते हुए लिखा कि इंटरनेट की चमक-दमक में फंसकर वह उस ओर मुड़ गईं जो असल में उन्हें करना ही नहीं था। लगातार लाइक और कमेंट्स की होड़ में उनकी भाषा, सोच और अनुभव कहीं न कहीं पीछे छूट गए। अभिनेत्री ने कहा कि सोशल मीडिया छोड़ना उनके जीवन का पहला मौलिक विचार है, जिसे उन्होंने पूरी तरह अपनाया। उनका मानना है कि कलाकार को किसी सांचे में ढालकर नहीं देखा जाना चाहिए। वह चाहती हैं कि उनकी पहचान उनके अभिनय और सिनेमा से बने, न कि सिर्फ इंस्टाग्राम पोस्ट्स और ट्रेंड्स से। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि इस फैसले के बाद शायद लोग उन्हें भूल जाएं, लेकिन वह इस जोखिम को उठाने के लिए तैयार हैं।

सिनेमा पर देना चाहती हैं ध्यान

ऐश्वर्या ने साफ किया कि अब उनका लक्ष्य सिनेमा बनाना और जीना है। वह चाहती हैं कि आगे की उनकी फिल्मों में वही गहराई और संवेदनशीलता झलके, जिसे वह अपनी असल जिंदगी में महसूस करती हैं। उन्होंने कहा कि अगर भविष्य में वह सचमुच कुछ बेहतर रचनाएं करती हैं, तो दर्शक उन्हें पुराने अंदाज में प्यार दें।



कौन हैं रितिका नायक ? मिराय में जीता सबका दिल

तेजा सज्जा और मांचू मनोज की एक्शन-एडवेंचर से भरी मायशोलोजिकल फिल्म 'मिराय' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। दर्शकों को फिल्म के विजुअल्स और वीएफएक्स काफी प्रभावित कर रहे हैं। लेकिन इस फिल्म के रिलीज होते ही अगर किसी को सबसे ज्यादा सच किया जा रहा है तो वो हैं फिल्म में नजर आई रितिका नायक। रितिका फिल्म की लीड एक्ट्रेस हैं। अब उनकी खूबसूरती और मासूमियत ने लोगों को प्रभावित किया है। दिल्ली में एक ओडिया परिवार में जन्मी रितिका नायक ने दिल्ली पब्लिक स्कूल से पढ़ाई की है। साल 2019 में रितिका ने दिल्ली टाइम्स फ्रेश फेस का 12वां सीजन भी जीता है।

2022 में किया

फिल्मों में डेब्यू

रितिका को शुरू से ही एक्टिंग की दुनिया में जाना था। कई जगह ऑडिशन देने के बाद रितिका को साल 2022 में आई 'अशोक वनमलो अर्जुन कल्याणम' में एक्टिंग करने का मौका मिला। इस फिल्म से रितिका ने तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में अपना डेब्यू



किया। इस फिल्म में रितिका के साथ विश्वक सेन और रुखसार ढिल्लन भी प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। इस फिल्म के लिए रितिका को स्टूड्युअरवॉर्ड में बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस का नॉमिनेशन भी मिला। इसके बाद रितिका 2023 में आई नानी और मृणाल ठाकुर की फिल्म 'हाय नन्ना' में भी नजर आई थीं। हालांकि, इस फिल्म में उनका सिर्फ कैमियो था। इसके बाद अब 'मिराय' रितिका की तीसरी फिल्म है। इस फिल्म में वो मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा उनकी आगामी फिल्मों में विजय देवरकोंडा के भाई आनंद देवरकोंडा की फिल्म 'डुएट' शामिल है।

घाटी की परफॉर्मेंस से सदमे में अनुष्का शेटी!

भावुक नोट लिखने के बाद सोशल मीडिया से लिया ब्रेक

अनुष्का शेटी ने बाहुबली में देवसेना के रोल में सबका दिल जीत लिया और हर कोई उनका फैन बन गया था। उन्होंने इसके बाद कई और फिल्मों की, पर अब एक्ट्रेस के एक फैसले ने फैस को चौंका दिया है। अनुष्का शेटी ने सोशल मीडिया से ब्रेक लेने का फैसला किया है और पोस्ट लिखा है। अनुष्का ने यह फैसला अपनी हाल ही रिलीज हुई फिल्म



घाटी को मिले ठंडे रिसॉन्स के बाद लिया है। अनुष्का शेटी का असली नाम है स्वीटी है, पर ऑनस्क्रीन ऐसी धाकड़ है कि बड़े-बड़े स्टार्स भी इनके आगे फीके पड़ जाते हैं। फैस तो उन्हें लेडी सुपरस्टार कहकर बुलाते हैं, पर अब यही सुपरस्टार सोशल मीडिया से ब्रेक ले रही है। अनुष्का शेटी का भावुक

नोट- जल्द मिलूंगी अनुष्का ने अपने X अकाउंट पर एक नोट लिखा, जिसमें बताया कि वह अब असली दुनिया से जुड़ने के लिए सोशल मीडिया से दूर जा रही हैं। अनुष्का शेटी ने लिखा, ब्लू लाइट से कैडल लाइट की ओर जा रही हूँ। कुछ समय के लिए सोशल मीडिया से दूर जा रही हूँ ताकि असली दुनिया से दोबारा जुड़ सकूँ। जल्द लौटूंगी और भी कहानियों और डेर सारा प्यार लेकर। फैस हुए मायूस, अनुष्का शेटी को यू दिया होसला जहां अनुष्का शेटी के सोशल मीडिया से ब्रेक लेने पर फैस मायूस हो गए, उन्हें इस बात की भी खुशी हुई कि उनकी फेवरेट एक्ट्रेस अब असली दुनिया में लौट रही हैं। एक फैन ने लिखा, ओमगज! आप रियल वर्ल्ड में वापसी कर रही हैं, इंतजार रहेगा आपका स्वीटी। एक और फैन का ट्वीट है, आपने काफी उतार-चढ़ाव देख लिया है स्वीटी, ये नया नहीं है। अब बस इंतजार है उस लेडी सुपरस्टार का, जिसने इतिहास रचा था। ब्रेक लो और और भी मजबूत होकर लौटो। वहीं, एक और कमेंट ने दिल जीत लिया- स्वीटी, अच्छे डायरेक्टर के साथ काम कीजिए, आपकी डेडिकेशन का कोई मुकाबला नहीं। आप ऑल-टाइम बेस्ट हैं।

अब इस फिल्म में दिखेंगी अनुष्का

अनुष्का शेटी की फिल्म घाटी की बात करें, तो यह 5 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज हुई। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ठंडी पड़ गई और एक हफ्ते में सिर्फ 6.64 करोड़ रुपये ही कमा पाई है। इसे कृष्णा जगलामुडी ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में अनुष्का के साथ विक्रम प्रभु हैं। अनुष्का शेटी अब जल्द ही रोजिन थॉमस की हॉरर-फैंटेसी थ्रिलर कथानार-द वाइल्ड सोर्सर में नजर आएंगी। इससे वह मलयालम फिल्मों में डेब्यू करने जा रही हैं। इसमें वह नीला नाम की बुनकर का रोल प्ले करेंगी।



मेरा लक्ष्य साल में 50 प्रोजेक्ट करना नहीं, बल्कि बेहतरीन काम को चुनना है

वेटर्न एक्टर शक्ति कपूर के बेटे सिद्धांत कपूर इन दिनों वेब सीरीज मंडला मर्डर्स को लेकर चर्चा में हैं। यह साइकोलॉजिकल थ्रिलर सीरीज उन्हें रिफ्रैक्ट लेवल पर ही अच्छी लगी। वे कहते हैं... इसकी स्क्रिप्ट की रहस्यमयता और मेरे डार्क किरदार की चुनौती ने मुझे तुरंत हां कहने पर मजबूर कर दिया। मुझे हमेशा ऐसे रोल पसंद आते हैं जो मुझे मेरी सीमाओं से आगे ले जाएं। इस बार भी वही हुआ।

सीरीज के कुछ सीन शारीरिक रूप से मेरे लिए बड़े ही चुनौतीपूर्ण रहे...

किरदार की तैयारी को लेकर सिद्धांत खुद को ऑन-द-स्पॉट एक्टर मानते हैं। उन्होंने कहा... मैंने रिव्व ऑन और रिव्व ऑफ आर्ट का इस्तेमाल किया। हालांकि, शूटिंग आसान नहीं थी। कम रोशनी और रात के सीन, साथ ही एक्शन सीक्वेंस ने काफी मेहनत कराई। एक सीन में हाथ काटने का विजुअल था जो शारीरिक रूप से बेहद ही चुनौतीपूर्ण रहा।

अलग-अलग तरह के रोल करना ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है...

ओटीटी पर काम को लेकर सिद्धांत बेहद सकारात्मक सोच रखते हैं। उनके मुताबिक, ओटीटी ने सभी के लिए नए दरवाजे खोले हैं। आगे भी मैं हर तरह के रोल निभाना चाहता हूँ। चाहे पॉजिटिव हो, नेगेटिव या कॉमेडी। मैं साल में 50 फिल्में करने का इरादा नहीं रखता। करियर में अलग-अलग तरह के रोल करना ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है।

श्रद्धा के डेडिकेशन से हमेशा कुछ नया सीखने को मिलता है...

बहन श्रद्धा कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करने पर सिद्धांत ने कहा... अगर हमें कोई अच्छी स्क्रिप्ट मिलती है, तो मैं श्रद्धा के साथ काम करना जरूर पसंद करूंगा। हम दोनों भाई-बहन होने के साथ-साथ अच्छे दोस्त भी हैं और एक-दूसरे को बहुत अच्छे से समझते हैं। हमारे बीच एक नेचुरल बॉन्ड है, जो परदे पर भी झलक सकता है। श्रद्धा एक बेहतरीन एक्ट्रेस हैं, उनकी एनर्जी और डेडिकेशन से हमेशा कुछ नया सीखने को मिलता है।



डांस की वजह से ऐक्टर बनने में काफी मदद मिली

डांसर के रूप में वाहवाही बटोरने वाले शांतनु माहेश्वरी अब बतौर एक्टर भी लोगों का दिल जीत रहे हैं। गंगुबाई काठियावाड़ी और औरों में कहां दम था जैसी फिल्मों के बाद अब वह फिल्म लव इन वियतनाम में लीड भूमिका निभा रहे हैं। शांतनु के मुताबिक, डांस की वजह से उन्हें एक्टर बनने में काफी मदद मिली, क्योंकि हर डांसर में एक एक्टर होता ही है।

इन दिनों शांतनु की तरह डांसर रहे राघव जुयाल भी एक्टर के रूप में धमाल मचा रहे हैं। ज्यादातर डांसर्स के एक्टिंग की ओर रुख करने को लेकर शांतनु का कहना है, अगर आप डांसर हैं, तो एक्टिंग खुद-ब-खुद आ

जाती है। डांस में भी मुद्राएं होती हैं, आपको आंखों से भाव दिखाने होते हैं। आप सिर्फ स्टैप्स करके अच्छे डांसर नहीं बन सकते। आप अच्छे डांसर तभी होते हैं, जब उन भावों को भी दिखाते हैं। डांस आपको रिश्ता सिखाता है, जो एक्टिंग में भी काम आता है। इसलिये, मेरा मानना है कि डांस से एक्टिंग में मदद मिलती है। बाकी, जरूरी नहीं कि हर डांसर आगे एक्टर ही बने, यह सबकी अपनी-अपनी चॉइस है। गंगुबाई काठियावाड़ी और औरों में कहां दम था के बाद शांतनु लव इन वियतनाम में भी एक जुनूनी आशिक की भूमिका निभा रहे हैं। लेकिन आज के घोरिंटिंग, बेंचिंग वाले दौर में वह इस

राज सर बोले आज को इंजॉय करो

फिल्म में राज बब्बर जैसे सीनियर अभिनेता के साथ काम के अनुभव पर शांतनु ने बताया, मेरी राज बब्बर सर के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। उन्होंने बिल्कुल बिना किसी फिल्टर के मुझे अपनी जिंदगी के अनुभवों के बारे में बताया। उन्होंने बड़े पते की बात ये कही कि अभी जिस पल में हो उसे एंजॉय करो, क्योंकि हम एक्टरों की जिंदगी इतनी अनिश्चित होती है कि किसी को नहीं पता कि ये वक्त फिर आएगा या नहीं। कभी हर कोई आपके साथ काम करना चाहेगा, तो कभी कोई पानी भी नहीं पूछेगा तो अभी जो है, उसका पूरा लुफ्त लो।

शिद्दत वाले प्यार से कितना रिलेट करते हैं?

इस पर वह कहते हैं, ये चीजें पहले ही हुआ करती थीं, बस ये शब्द नहीं गढ़े गए थे। वरना दिलफेंक आशिक पहले भी घूमते थे। कैसानोवा पहले भी होते थे। बेंचिंग का कॉन्सेप्ट पहले भी था, बस ये शब्द नहीं बने थे। अब इनका इस्तेमाल ज्यादा होने लगा है। हालांकि, मैं तो शिद्दत वाले प्यार में यकीन करता हूँ। फिल्म में शांतनु के साथ सोशल मीडिया स्टार अक्वीत कौर भी हैं। इन दिनों इंडस्ट्री में टैलेंट के बजाय सोशल मीडिया फॉलोअर्स के आधार पर कास्टिंग करने को लेकर भी बहस छिड़ी हुई है। इस बारे में शांतनु का कहना है, कभी-कभी इस बात का बुरा लगता है, पर जो चीज चल रही है, उससे आपको समझौता करना पड़ेगा। आपके या मेरे बोलने से कुछ होने नहीं वाला है। मार्केट में अगर यह चल रहा है तो आप इस पर काम करिए या इसे स्वीकार लीजिए। हालांकि, ऐसा नहीं है कि हर कोई इसी आधार पर कास्टिंग कर रहा है, लेकिन निश्चित तौर पर अगर आपके सोशल मीडिया फॉलोअर्स हैं तो बहुत बड़ा प्लस पाइंट है।

